संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना) : (क) से (घ) किसी राज्य में पर्यटन केन्द्रों का अभिनिर्धारण तथा विकास करना मुख्यतः सम्बन्धित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है । गुजरात सरकार ने सासनगीर, पावागढ़, चोरवाड, पलटाना, विशाल, द्वारका बरवाल, पोरबन्दर, लोथल, आदि में पर्यटन एककों के उपयुक्त रखरखाव के लिए कदम उठाए हैं ।

मध्य प्रदेश में पर्यटन परिपथ

2323. **श्री राघवजी** : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश के लिए कौन कौन से पर्यटन परिपथ निश्चित किए गए हैं :

(ख) इन पर्यटन परिपथों के विकास हेतु, कौन-कौन सी योजनाएं सरकार के विचाराधीन है और इन योजनाओं को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है ;

(ग) क्या इन पर्यटन परिपथों में सांची, उदयगिरि, उदयपुर, और भोजपुर को शामिल किया गया है; यदि नहीं, तो क्या भविष्य में इन्हें शामिल किया जाएगा; और

(घ) यदि हां तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना) : (क) मध्य प्रदेश में गहन विकास के लिए निम्नलिखित दो यात्रा परिपथों की पहचान की है :-

1. ग्वालियर शिवपुरी ओरछा-खजुराहो

2. भोपाल सांची इंदौर उज्जैन-महेश्वर ओंकारेश्वर-ममांडू

(ख) से (घ) राज्य सरकार के परामर्श से वर्ष 1997-98 के दौरान 15300 लाख रुपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता हेतु उपरोक्त परिपथों में निम्नलिखित परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है :-

(1) ओरछा मे ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन ।

(2) खजुराहो और ओरछा में जल-क्रीडा सुविधाएं ।

(3) सांची में पर्यटक स्वागत केन्द्र ।

(4) सांची-मांडू के लिए आडियो गाइड

(5) मांडू एवं ओरछा उत्सव

नए केन्द्रों और परिपथों की पहचान करना और विकास करना मुख्यतया राज्य सरकार की जिम्मेदारी है । फिलहाल मौजूदा परिपथों का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन

2324. **श्री राघवजी** : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई सहायता प्रदान करती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और क्या भविष्य में मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु कोई सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाएगा ?